वार्तालाप.600, हाँसूपुर (उ.प्र.), दिनांक. 11.07.08

Disc.CD No.600, dated 11.07.08 at Hansupur (U.P.)

Part-1

समयः 00:30 - 02:28

जिज्ञासुः हालत बहुत खराब हो गई बाबा।

बाबाः हालत बहुत खराब हो गई? किस बात में?

जिज्ञासुः आलस।

बाबाः आलस?

जिज्ञासुः याद में बैठते हैं तो याद नहीं करने देती।

बाबाः हाँ, पाँच विकार तो आक्रमण कर चुके बहुत। छटा आलस की बारी है। रावण के साथ कुम्भकर्ण भी तो है ना। क्या हुआ सारा गोरखपुर ठण्डा हो गया क्या? रमेश भाई, क्या कर दिया?

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, संतुष्टता आती जा रही है।

बाबाः संतोष हो गया?

दूसरा जिज्ञासुः नहीं।

बाबाः जो पाना था सो पा लिया?

जिज्ञासुः पा रहे है।

बाबाः पा रहे है? आलस्य आ रहा है।

जिज्ञासुः सब लोग कह रहे हैं कि शिवबाबा तो जाके मक्का मदिना में बैठे है तो भारत में कैसे आ गए?

बाबाः माउन्ट आबू मक्का मदीना है ना।

Time: 00:30 – 02:28
Student: Baba, the condition has worsened.
Baba: The condition has worsened? In what?
Student: Laziness.
Baba: Laziness?
Student: It does not let us sit in remembrance.
Baba: Yes. The five vices have attacked a lot. Sixth is the turn of laziness. Kumbhkarna[1] is also there with Ravan, isn't he? What happened? Has the entire Gorakhpur[2] become cold? Ramesh bhai, what did you do?
Another Student: Baba, we are becoming contented.
Baba: Have you become contented?
Student: No.
Baba: Did you receive what you wanted?

[1] Younger brother of Ravan; a villainous character in the epic Ramayan who received a boon to sleep for six months and remain awake for one day.
[2] A district in Uttar Pradesh

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: We are receiving it.
Baba: Are you receiving it? You are feeling lazy. ☺
Student: Everyone is saying that Shivbaba is sitting in Mecca Madini, then how did He come in Bharat?
Baba: Yes, ☺ Mount Abu is Mecca Madina, isn't it?

समयः 02:45 - 04:48

जिज्ञासुः बाबा एक बात हम पूछ रहे है कि भक्तिमार्ग में लोग दिखाते हैं कि कृष्ण आठवा अवतार है।

बाबाः भक्तिमार्ग में कहते है कृष्ण आठवा बच्चा पैदा हुआ। वो पहले काहे नहीं पैदा हो गया? बाबा तो बताते हैं लास्ट सो फास्ट और फास्ट सो फर्स्ट । पहले असुर आते हैं दुनियां में, कि पहले देवता आते हैं? पहले असुर आते हैं। सात नारायण जो और-2 धर्मों में कन्वर्ट होने वाले हैं कम कला वाले, वो कच्ची आत्माएँ पहले जन्म लेती हैं। कच्चे होने के कारण कंस उनको कोसघर में कोस लेता है। विकारों की जेल में डाल देता है, मार देता है। तब आठवा नंबर कृष्ण बच्चा पैदा होता है, जो कंस के हाथ से निकल जाता है। बातें कहाँ की है? संगमयुग की सारी बातें है। नहीं तो जैसे सात नारायण जैसे कृष्ण बच्चों को सरेण्डर कर लिया ऐसे ही वो आठवे को भी सरेण्डर करके कोसघर में कोस देता। लेकिन ड्रामा ऐसा नहीं बना हुआ है। जाको राखे साइया मार सके न कोय।

Time: 02:45 – 04:48
Student: Baba, I am asking a question, people in the path of *bhakti* show Krishna to be the eighth incarnation.
Baba: It is said in the path of *bhakti* that Krishna was born as the eighth child. Why was he not born earlier? Baba does say *last so fast* and *fast so first*. Do demons come first in the world or do deities come first? Demons come first. The seven Narayans who *convert* in other religions, those with fewer celestial degrees, the weak souls are born first. Because of being weak, Kansa[3] slaughters them in the slaughterhouse. He puts them in the *jail* of vices; he kills them. Then the eighth child Krishna is born, he comes out of the hands of Kansa. Of when are these topics? All the topics are of the Confluence Age. Otherwise, just as the seven Narayans, the children who are like Krishna were surrendered, he (Kansa) would have also surrendered the eighth child and slaughtered him in a slaughterhouse. However, this is not pre-ordained in the *drama*. Nobody can kill the one whom God protects.

समयः 05:18 - 08:25

बाबाः आज भाइयों का डब्बा गोल करके माता बोल रही है।

जिज्ञासुः बाबा, सर्विस किस चीज की करनी है? सर्विस किस तरह करनी है?

बाबाः किस तरह करनी है? पहले घर का सुधार फिर पर का सुधार। पहले अपनी सेवा, फिर पर की सेवा। अपने अंदर कोई खामी तो नहीं रह गई? कोई कमी दिखाई पड़ती है? नहीं? कमी नहीं दिखाई पड़ती? अपने अंदर कोई कमी नहीं रह गई?

[3]villainous character in the epic Mahabharata.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः कमी तो रह गई बाबा।

बाबाः रह गई तो पहले वो पूरी करो, तो जैसे से तैसे की पैदाइश होगी। जैसा बाप वैसा बच्चा बनेगा। अभी पैदाइश बिच्छू, टिण्डन की हो रही है, या देवताओं की पैदाइश हो रही है?

दूसरा जिज्ञासुः बिच्छू, टिण्डन ।

बाबाः दुनियां में तो बिच्छू टिण्डन जैसे बच्चे पैदा हो ही रहे हैं। लेकिन ब्राह्मणों की दुनियां में बिच्छू टिण्डन पैदा हो रहे हैं, या देवात्मायें पैदा हो रही हैं?

जिज्ञासुः देवात्मायें पैदा हो रही हैं।

बाबाः देवात्मायें पैदा हो रही हैं?

जिज्ञासुः कुछ कह रहे है।

बाबाः लगता है? ऐसा लगता है?

जिज्ञासुः ऐसा लगता है कि बाबा, आज एक मुरली में चला है कि बिच्छू टिण्डन घर वाले हो गये अगर ब्राह्मणों की दुनियां में आ गये तो घर छोड़ करके भागो-2 अब 60 वर्ष की अवस्था में भागो-2...

बाबाः भागो-2 का मतलब वैराग। वैराग आता है किसीको? बाबा तो कहते हैं सबकी वानप्रस्थ अवस्था है। चाहे छोटा बच्चा भी है, ज्ञान में चलने वाला चाहे छोटा बच्चा भी है उसकी भी कौनसी अवस्था है? उसकी भी वानप्रस्थ अवस्था है। ये सब 84 जन्म लेने वाले बैठे हैं।

जिज्ञासुः जिसके घर में और चलने वाले नहीं है बाबा, एक ही अगर चलने वाला है...

बाबाः तो सब चल पडेंगे।

जिज्ञासुः तब तक तो बिच्छू टिण्डन का क्या करना पडे? घर में रह करके ही लात जूता सहना पडेगा क्या?

बाबाः ये तो अपने हाथ में है। बाबा तो गैरंटी देते हैं मेरे बच्चे भूख नहीं मरेंगे। फिर भी कसके अगर पकड़ा हुआ है घर परिवार को, मित्र, संबंधियों को, तो इसमें बाबा क्या करे?

Time: 05:18 – 08:25

Baba: Today, a mother is speaking by proving the brothers unsuccessful.

Student: Baba, what *service* do we have to do? How should we do the *service*?

Baba: How should you do [the service]? First the reformation of the house and then the reformation of others. First self-service and then the service of others. Isn't there any flaw left in you? Is any shortcoming visible? No? Is no shortcoming visible? Is there no shortcoming left in you?

Student: Baba, there is certainly some shortcoming.

Baba: If there is any, first make up for it; so, as the creator so will be his creation. As is the father, so will be the child. Now, are scorpions and spiders being born or are deities been born?

Another student: Scorpions and spiders.

Baba: Children like scorpions and spiders are certainly being born in the world. But, are scorpions and spiders being born in the Brahmin world or are deity souls being born?

Student: Deity souls are being born.

Baba: Are deity souls being born? (Student is saying something.)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Do you think so? Do you think so?
Student: Baba, I think that it has come in one of today's murli that the family members are scorpions and spiders; if someone comes in the Brahmin world, leave the house and run away at the age of 60 years. Run away...
Baba: Run away means develop detachment. Does anyone develop detachment? Baba does say: It is everybody's *vanprastha*[4] stage. Although it is even a small child, a small child following the knowledge, what is his stage too? His is also in the *vanprastha* stage. All those who are sitting here are the ones who have 84 births.
Student: Baba, the one in whose family no other member is [in knowledge], if only one member is [in knowledge]…
Baba: All will come [in knowledge].
Student: Until then what should we do with the scorpions and spiders? Do we have to tolerate the kicks and insult living in the house itself?
Baba: This is in your hands. Baba indeed guarantees: "My children will not die of hunger". Even then, if someone has caught hold of the house [and] family, friends [and] relatives tightly, what can Baba do in this? ... (to be continued.)

Part-2

समयः 08:26 - 11:42

जिज्ञासुः वैराग आने का मतलब कि घर छोड करके भागो-2?

बाबाः घर छोड़ने की बात नहीं कही। भल घर गृहस्थ में रहो] भल लगा दिया।

जिज्ञासुः हाँ, तो भल में भाला हो गया। तो भाला का अब सामना भाला से करना पडेगा।

बाबाः अब भाला तो आयेगा ही सामने। अगर नहीं होगा, अगर सीधे तरीके से घी नहीं निकलेगा तो वैराग तो इस दुनियां से लाना ही लाना है। ऐसी परिस्थितियाँ आ जायेंगी तो इस दुनियां से वैराग आयेगा।

जिज्ञासुः तो विष से विष कटेगा और लोहा लोहा से कटेगा बाबा।

बाबाः बिल्कुल।

जिज्ञासुः तो अब तो विष के साथ विष बने और लोहा के साथ लोहा बने तभी तो कटेगा?

बाबाः तो लोहा बने कौन? बनो तुम। हैं दम?

जिज्ञासुः है ही है, बाबा है ही है। तब लोहा लग जायेगा परिवार में।

बाबाः कहाँ लोहा लग जायेगा?

जिज्ञासुः ब्रह्मा कुमारियों में लोहा नहीं लग जायेगा?

बाबाः वो तो लोहा है ही, लग क्या जायेगा? लोहा और पत्थर एक ही बात तो।

[4] Stage beyond speech.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 08:26 – 11:42
Student: Does developing detachment mean that we should leave the house and run away?
Baba: It was not said about leaving the house; you may live in the household, he said, 'may' (*bhal*).
Student: Yes, there is *bhaalaa* (a spear) in *bhal* (may). Therefore, a spear has to be tackled by a spear.
Baba: Now, a spear will certainly come in front [of you]. If *ghee* does not come out easily, you certainly have to become detached from this world. When such circumstances arise, you will become detached from this world.
Student: Baba, so poison will kill poison and iron will cut iron.
Baba: Definitely.
Student: So, one has to become poison against poison and iron against iron, only then will it be cut (made ineffective), won't it?
Baba: So, who will become iron? Become that yourself. Do you have the spirit? ☺
Student: Baba, I certainly have it. Then there will be a fight in the family.
Baba: Where will a fight take place?
Student: Won't there be a fight in the Brahma Kumaris?
Baba: There is certainly a fight; there is no question of starting a fight. Call it iron or stone it is one and the same thing.

जिज्ञासुः ज्ञान के आधार पर तो बाबा ये कहा गया कि ज्ञानबल और योगबल से अब लड़ाई होगी और वो बाहुबल से लड़ेंगे तो क्या करें?

बाबाः बाहुबल से लड़ाई लड़ेंगे तो हम अपना योगबल दिखाये और बाबा ने तो तरीका बताय दिया अगर तुम्हारे ऊपर कोई हाथ, पाँव चलाता है, मार पीट करता है तो क्या करो? भाग जाओ। लेकिन देहभान आता है, भाग कैसे जायें? अच्छा, हम (ने) 63 जन्म राजा बनके लड़ाई लड़ी, हम कैसे भाग जायें?

जिज्ञासुः भाग जायेंगे तब तो भगा ही देंगे बाबा।

बाबाः हाँ, तो भाग जायेंगे तो उस समय भाग जायेंगे। फिर लड़ाई लड़ेंगे।

जिज्ञासुः मोहम्मद गोरी की तरह से लड़ेंगे तब?

बाबाः मोहम्मद गोरी की तरह से कैसे लड़ेंगे? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हमारा बाहुबल का आक्रमण है नहीं ना। हमारी लड़ाई बाहुबल की नहीं है।

जिज्ञासुः हाँ, इसीलिए तो बाबा, आज तक रुका है। नहीं तो केस वेस हो गई होती आज तक तो लड़ाई लग गई होती। अब तो ज्ञानबल और योगबल से ....

बाबाः वो लड़ाई लड़ने से हमारा फायदा होगा या नुकसान होगा? (किसीने कहा-नुकसान।) उनके पास तो ढेरों पैसा है, उनके पास ढेरों गुण्डे हैं, गुण्डों को 4 पैसे दे दो कोई की भी हत्या

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

करवा दो। हमारे पास तो इतने पैसे नहीं है कि हम हत्यायें करवा दें पैसे दिलवा करके। तो नुकसान किसका होगा? (किसीने कहा-हमारा नुकसान होगा।) इसलिए बाबा ने हमें तो सहज रास्ता बताया है। साँप मरे, न लाठी टूटे। पाण्डव लड़ाई नहीं लड़ते हैं। लड़ाई लड़ने वाले हैं कौरव, लड़ाई लड़ने वाले हैं यादव। जो दूसरे धर्म की आत्मायें हैं, दूसरे धर्म में कन्वर्ट होने वाली है वो ही लड़ाई की बात करेंगी। हमें तो पक्का बुद्धि में बैठ गया कि 63 जन्म से हिंसा के आधार पर भारत के राजाओं ने जीत नहीं पाई। अब जीत पालेंगे? अब तो भगवान बाप आया हुआ है। जो रास्ता बता रहा है वो ही सच्चा रास्ता है।

Student: Baba, according to the knowledge it is said: Now the fight will take place with the [help of] the power of knowledge and the power of yoga [but] what should we do if they fight with physical power?
Baba: If they fight with physical power, we should show our power of yoga. And Baba has given us the method: If someone uses physical power, if he beats you, then what should you do? Run away. But you become body conscious; [you think:] How can we run away? *Accha*, we have fought battles becoming kings for 63 births, how can we run away?
Student: Baba, if we run away, they will certainly chase us away.
Baba: Yes, you will run at that time [and] fight later on.
Student: Will we fight like Mohammad Ghori[5] then?
Baba: How will you fight like Mohammad Ghori? (Student said something.) Ours is not the physical attack, is it? Ours is not the physical fight.
Student: Yes, Baba, this is why we have waited till now. Or else a case would have been filed; there would have been a fight by now. Now, with the power of knowledge and the power of yoga...
Baba: Will we be benefited or will we incur a loss by fighting that war? (Someone said: Loss.) They have a lot of money; they have many goons; give some money to the goons and have anyone murdered. We don't have so much money, so that we have someone murdered by giving them (the goons) money. So, who will incur a loss? (Someone said: We will incur a loss.) Therefore, Baba has shown us an easy way: "Make a gain without any loss". Pandavas don't fight. It is the Kauravas who fight; it is the Yadavas who fight. The souls of the other religions, who *convert* to other religions, only they will speak about fighting. It has sat firmly in our intellect that the kings of Bharat didn't gain victory on the basis of violence for 63 births; will they gain victory now? Now, God the Father has come. The path which [He] is showing itself is the true path.

[5] A Muslim invader.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 11:43 - 12:37

जिज्ञासुः ...बाबा, 5,6, महीना तो हो गया अकेले तो लड़ाई की प्रैक्टिस कर रहा हूँ, अकेले दौड़ रहा हूँ, और जो है, संगठन का मजबूती नहीं देवरिया में आ रही है।

बाबाः सेवा में अगर रिजल्ट नहीं निकलता है तो जरुर कहीं देहभिमान छुपा हुआ बैठा है। प्यूरिटी होती है तो घर बैठ जाओ, प्योर आत्मा के पास आत्मायें स्वतः ही आना शुरु हो जायेंगी। जैसे सन्यासी होते थे, जंगल में रहते थे राजायें, महाराजायें उनके चक्कर काटते रहते थे। मूल बात है अपन को पवित्र बनाने की। कोई न कोई ज्ञानमार्ग में चलते-2 ऐसी भूलें हो रही है देहभिमान की जिससे सौ गुणा बोझ चढ़ जाता है।

Time: 11:43 – 12:37

Student: ...Baba, it has been five-six months, I am practicing to fight alone, I alone am running [in *purusharth*]; but, the gathering at Devariya[6] is not becoming strong.

Baba: If there is no *result* of service, then there is certainly body conscious hidden in you somewhere. If you have *purity*, sit at home. The souls will automatically start coming to the pure soul. Just as there were the *sanyasis*, they used to live in jungles; kings [and] emperors kept visiting them frequently. The main thing is to make one self pure. We are committing one or the other mistake becoming body conscious while following the path of knowledge, due to which we accumulate 100 times burden.

समयः 12:47 - 13:18

जिज्ञासुः बाबा, वैराग शब्द जो है ये दो तरह के हैं एक वैराग है, एक वैराग्य है। वैराग होगा तो आग से वैर होगा। और वैराग्य होगा तो मूढ़ता से वैर होगा। ये क्या शब्द है?

बाबाः राग बिगड़ा हुआ शब्द है। वि माना विशेष और वि माना विपरीत। राग के जो विपरीत है वो है वैराग।

Time: 12:47 – 13:18

Student: Baba, the word *vairaag* (detachment) is of two types. One is *vairaag* [and] the other is *vairaagya*. If it is *vairaag* (detachment), there will be hostility towards anger. And if it is *vairaagya*, there will be hostility towards ignorance. What are these words?

Baba: *Raag* (attachment) is a deformed word. '*Vi*' means special (*vishesh*) and opposite (*vipariit*). Something that is opposite to *raag* is *vairaag* (detachment).

[6]Name of a district in Uttar Pradesh, India.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 13:24 - 13:45

जिज्ञासुः ऐसे ही सत्य है और सद है।

बाबाः असत्य\

जिज्ञासुः नहीं। सत्... त का द बन जाता है, और सद हो जाता है। और एक सत्य है।

बाबाः वो एक ही बात है। शब्दों के चक्कर में न फँसो। ये संस्कृत के शब्दों की बातें है।

जिज्ञासुः अच्छा।

बाबाः सत्य का बिगड़ा हुआ रुप सत है।

Time: 13:24 – 13:45
Student: It is the same case with *satya* (truth) and *sad* (true).
Baba: Falsehood?
Student: No. *Sat*... the 't' changes to 'd' and it becomes *sad*. And the other is *satya*.
Baba: That is the same thing. Don't be entangled in words. This is about the Sanskrit words.
Student: *Accha*.
Baba: The deformed form of *satya* (truth) is *sat*.

समयः 13:58 - 17:14

जिज्ञासुः बाबा, पहले घर का सुधार है। घर में सहयोग नहीं मिलता माताओं का...

बाबाः सहयोग, स्नेह, सहानुभूति, संगठन ये कम्पलेंट करने से नहीं मिलता है। इनका तरीका है हम जितना देते जायेंगे उतना हमको जरुर मिलेगा। अभी हमारा 63 जन्म का देने का जो हिसाब है ना वो खाली हुआ पड़ा है। हमने 63 जन्म दिया ही नहीं। इसलिए रिटर्न सर्विस हो रही है। नहीं समझ में आया? इसलिए हम अभी भी देते जायें, देते जायें, देते जायें। कोई दें या न दें, हम सहयोग देते जायें, हम स्नेह देते जायें, हम सहानुभूति देते जायें। हमारा स्टॉक जब भरपूर होगा तो स्वतः ही हमारी बात सब मानेंगे। चलते रहो, चलते रहो, चलते रहो। "हारिये न हिम्मत बिसारिये न राम।" कर्मों की गति को भूलना नहीं चाहिए।

जिज्ञासुः इस तरह कि बात होती है ना कि संगठन में नहीं जाओ यहाँ, सेवा में नहीं जाओ।

बाबाः किसी के कहने से कोई मान जाने वाली बात है क्या?

जिज्ञासुः नहीं मानने में तो गड़बड़ हो रहा है परिवार में। नहीं मानने में गड़बड़ हो रहा है ना।

बाबाः जो परिवार को हम परिवार कहते हैं वो सनातन परिवार है, या आसुरी परिवार बन गया है? (किसीने कहा-आसुरी परिवार।) मुरली में तो बोला है देहधारी संबंधियों से न कुछ पूछना है, और न उनकी मत पर चलना है। जब लौकिक संबंधियों से कुछ पूछना ही नहीं है, और

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

उनकी मत पर चलना ही नहीं है... तो पावरफुल आत्मा तो उसे फॉलो करेगी। आ जाओ मैदान में। ये तो मुरली का महावाक्य है।

जिज्ञासुः फॉलो तो उसको किया जा रहा है।

बाबाः तो फिर कम्पलेंट कहाँ है? कोई चले या न चले। लौकिक परिवार वालों में न चले, लौकिक संबंधी वालों में न चले, गाँव वालों में न चले, लेकिन हमें तो चलना है। शुरुआत में एक ही निकलता है चलने वाला या अनेक निकलते हैं?

Time: 13:58 – 17:14

Student: Baba, first is the reformation of the house; we don't receive the co-operation of the mothers at home...

Baba: Co-operation, affection, sympathy, gathering all these are not achieved by complaining. The method [to achieve them] is that the more we keep giving [these things to others], we will certainly receive it to that extent. Now, our account of giving [these things] of 63 births is empty. We did not give [these things] for 63 births at all, hence, a *return service* is taking place. Didn't you understand? This is why even now we should just keep on giving it doesn't matter whether someone gives [them to us] or not. We should keep co-operating, we should keep giving affection, we should keep giving sympathy. When our *stock* becomes full, everyone will agree to what we say automatically. Just keep moving [ahead]. Don't lose courage; don't forget Ram (God). You should not forget the dynamics of actions.

Student: It happens that [they say]: Don't go to the *sangathan* (gathering), don't go for service.

Baba: Is this a matter to agree to whatever someone says?

Student: Because of not agreeing [with them] there is disorder in the family. Because of not agreeing with them, there is disorder.

Baba: Is the family which we call [our] family an ancient family or has it become a demonic family? (Someone said: Demonic family.) It is certainly said in the murli: "You should neither ask anything to the bodily relatives, nor should you follow their opinion". When you should not ask anything to the *lokik* relatives at all and you should not follow their opinion at all... a *powerful* soul will certainly *follow* [this direction]. Come on the battle field. This is a great version of the murli.

Student: We are certainly following it.

Baba: Then, there is no question of complaining. It does not matter whether someone follows [the knowledge] or not. It does not matter whether the members of the *lokik* family, the *lokik* relatives or the villagers don't follow [the knowledge], but **we** do have to follow [the knowledge]. Does only one person who follows [the knowledge] step ahead first, or do many step ahead?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः एक ही निकलता है।

बाबाः शुरुआत में एक निकलेगा। फिर बाद में सहयोग देने वाले अनेक हो जाते हैं। कोई तेरा साथ न दें तो, तो तू क्या कर? अकेला चलो रे।

Student: Only one steps ahead.
Baba: In the beginning one person will step ahead. Later, those who co-operate become many. What should you do if no one co-operates you? Walk alone. ... (to be continued.)

Part-3

समयः 17:16 - 18:58

जिज्ञासुः बाबा, लौकिक में भी नहीं कोई साथ देने वाला और अलौकिक ब्रह्माकुमारी में भी साथ देने वाला नहीं और अब एडवान्स में भी आये एडवान्स में भी साथ देने वाला नहीं है तो...

बाबाः अकेले चलो।

जिज्ञासुः तो बाबा तो देंगे ना?

बाबाः माना शंका है! बाबा बाबा नहीं है। लौकिक दुनियां का कोई आदमी है। बाबा हद की दुनियां में जैसे लोग होते हैं ऐसे आदमी है। बेहद का बाबा नहीं हैं।

जिज्ञासुः इसीमें तो बाबा ऊपर नीचे-नीचे ऊपर हो जाते है|

बाबाः और निश्चयबुद्धि बनना न बनना तुम्हारी बात है, या बाबा की बात है?

जिज्ञासुः हमारी बात है।

बाबाः हाँ, तो फिर? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ। निश्चयबुद्धि विजयते, अनिश्चय की बात ही क्यों करते हो? पकड़ में आ जाते हो। अगर ऐसा होता तो, अगर बाबा ऐसा करें तो। दुनियां हमारा साथ छोड दें लेकिन बाबा तो हमारा साथ नहीं छोड़ेगा? इस प्रश्न में निश्चय छुपा हुआ है, या अनिश्चय छुपा हुआ है? हमारी भाषा एकदम पक्की मजबूत होनी चाहिए। तो दूसरी आत्माओं के ऊपर भी असर पड़ेगा। दूसरी आत्मायें भी निश्चयबुद्धि होंगी। हमारी भाषा में ही कच्चापन होगा, अनिश्चय बुद्धि के शब्द होंगे तो दूसरी आत्माओं के ऊपर भी वैसा ही असर पड़ जाता है।

Time: 17:16 – 18:58
Student: Baba, there is no one to co-operate [me] in the *lokik* [family], there is no one to co-operate [me] in the *alokik* [family], the Brahma Kumaris either. Now, I came in the advance [knowledge], there is no one to co-operate [me] in the advance [knowledge] either. So...
Baba: So, walk alone.
Student: Baba will indeed co-operate, won't He?
Baba: That means you have a doubt! [Ironically:] 'Baba is not Baba. He is a person of the *lokik* world. Baba is like a person in the limited world. He is not the unlimited Baba. ☺

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, this is the very subject in which we go up and down.
Baba: And is having a faithful intellect and not having [a faithful intellect]', concerned to you or is it concerned to Baba?
Student: It depends on us.
Baba: Yes, then? (The student said something.) Yes. The one who has a faithful intellect, will gain victory. Why do you speak about faithlessness at all? You get caught. [You think:] If it happened like this..., if Baba did this... Let the world leave us but Baba won't leave us, [will He]? Is faith hidden in this question or is a doubt hidden in it? Our language should be very firm, strong. Then, it will have an influence on the other souls as well. The other souls will also have a faithful intellect. If there is weakness in our language itself, if there are words [proving us to have] a doubting intellect, the other souls are also influenced in the same way.

समयः 19:10 - 20:13

जिज्ञासुः बाबा, गायन है जिन रोया तिन खोया। इसका क्या अर्थ है बाबा?
बाबाः रोता आदमी कब है? कब रोता है? बच्चा कब रोता है, जवान कब रोता है, और बूढ़ा कब रोता है? कोई अप्राप्ति होती है, जो चाहना होती है वो चाहना पूरी नहीं होती है तो रोता है। और यहाँ तो? यहाँ क्या मिल गया? यहाँ तो जो पाना था सो पा लिया। सिर्फ कहने के लिए? भगवान के मिलने की कोई खुशी नहीं है? जैसे कि भगवान मिला ही नहीं। कहते हैं भगवान मिला लेकिन अंदर से समझते हैं हमें शैतान मिल गये चारों तरफ से।

Time: 19:10 – 20:13
Student: Baba, there is a saying: "The one who cried lost". What is its meaning?
Baba: When does a person cry? When does he cry? When does a child cry, when does a youth cry and when does an old man cry? When something is not acquired, when he desires something and that desire is not fulfilled, he cries. And what about here? What did they achieve here? They have achieved whatever was to be achieved here. Is this just to say? They don't have any joy of finding God. It is as if they have not found God at all. They say that they have found God but from within they think that they have found demons from all sides. ☺

समयः 20:48 - 25:27

जिज्ञासुः बाबा, कछुए और खरगोश का मिसाल देते है।
बाबा: हाँ।
जिज्ञासु: खरगोश चलता रहता है और बीच में जाकर रास्ते में सो जाता है और कछुआ लगातार चलता रहता है। तो बाबा इसका क्या अर्थ है?
बाबाः अंदर वाले रह जावेंगे, और बाहर वाले ले जावेंगे। तो उनमें कछुआ कौन हुआ, और खरगोश कौन हुआ? बाहर वाली है ब्रह्माकुमारियाँ और अंदर वाले है एडवान्स वाले। जब एडवान्स नहीं शुरु हुआ था तो ब्रह्माकुमार कुमारी थे अंदर वाले, और घर गृहस्थ में से जो चलने वाले ज्ञान में थे, वो कौन थे? बाहर वाले। तो उन दोनों के बीच में कौन कछुए की चाल वाले थे, और कौन खरगोश की चाल वाले थे? पहले बेसिक में देखो। ब्रह्मा बाबा के

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जमाने की बात लो। बोलो। अरे, ज्ञान में तीखे अंदर वाले थे, या बाहर वाले थे? ज्यादा दौड़ दौड़ने का, पुरुषार्थ करने का मौका अंदर वालों को मिल रहा था, या बाहर वालों को मिल रहा था? (किसीने कहा-बाहर वालों को।) बाहर वालों को मिल रहा था? बाहर वालों को मिल रहा था? अरे, अंदर वालों को तो कोई धंधा नहीं। कोई कमाने की चिंता नहीं, कोई बाल-बच्चों की चिंता नहीं, घर-मकान सम्भालने की चिंता नहीं। सारी दुनियावी चिंतायें उसके ऊपर डाल दी, सिर्फ पुरुषार्थ करो। तो अंदर वाले दौड़ने में तीखे होने चाहिए, या बाहर वाले होने चाहिए? अंदर वाले हो गये खरगोश। लेकिन क्या हुआ आज? जिस समय ब्रह्मा बाबा रहे तब तक तो दौड़ दौड़ली सो दौड़ली। उसके बाद अब? अब आराम से दुबक्के झाड़ी में बैठ गये, एयर कन्डिशन्ड में। तो रिज़ल्ट क्या हुआ? जो कछुए के चाल वाले थे घर गृहस्थ में रहने वाले, कीचड़ में रहने वाले वो ले गये, और अंदर वाले रह गये। यहाँ जितने सब बैठे हुये हैं वो घर गृहस्थ की कीचड़ वाले बैठे हैं या अंदर में रह कर निश्चिंत होकर पुरुषार्थ करने वाले थे? सब घर गृहस्थ की कीचड़ में रहने वाले पुरुषार्थी बैठे हुये हैं। यही बात फिर अंदर होनी है। जिनको पुरुषार्थ का, ज्ञान का बहुत घमण्ड होता है वही खरगोश है। कछुए को दौड़ का कोई घमण्ड नहीं है। एकरस चाल चलता है। तो विजयमाला आगे जावेगी या रूद्रमाला आगे जावेगी? पवित्रता के लिए चाल किसकी तीखी है?

सभीः विजयमाला ।

बाबाः क्यों तीखी जावेंगी? क्योंकि इतना ज्ञान उनके पास नहीं है। धीरे-2 पुरुषार्थ कर रहे हैं, धीरे-2 चाल चल रहे हैं। और यहाँ तो इतना ज्ञान मिला हुआ है।

Time: 20:48 – 25:27
Student: Baba, the example of the tortoise and the hare is given. The hare keeps walking and goes and sleeps on the way in between. And the tortoise keeps walking continuously; Baba, what is its meaning?
Baba: The insiders will stay behind and the outsiders will take away [the inheritance]. So, who are the tortoise and who are the hare among them? The outsiders are the Brahma Kumaris and the insiders are those of the advance [party]. When the advance [party] had not begun, the Brahma Kumar-Kumaris were the insiders and who were the householders who were in knowledge? The outsiders. Between both of them, who were the ones with the speed of the tortoise and who were the ones with the speed of the hare? First look in the basic [knowledge]. Take the times of Brahma Baba as an example. Speak up. *Arey*, were the insiders or the outsiders sharp in knowledge? Where the insiders or the outsiders getting the chance of running more, of making more *purusharth*? (Someone said: The outsiders.) Where the outsiders getting it? Where the outsiders getting it? *Arey*, the insiders have no business. They don't have any worry of earning [money], they don't have any worry of [taking care of] children, they don't have the worry of looking after the house; they have put all the worldly concerns on Him (Baba); just make *purusharth*. So, should the insiders or the outsiders be sharp in running [in *purusharth*]? The insiders became the hare. But what happened today? They (the Brahma Kumaris) ran in making *purusharth* as much as they could until Brahma Baba was alive. After that, now? Now, they have sat in a bush, in air conditioned [rooms] comfortably. So, what was the *result*? The ones with the speed of the tortoise, the ones

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

staying in the household, in mire took away [the inheritance] and the insiders remained behind. Are all those who are sitting here the ones staying in the mire of the household or are they the ones who make *purusharth* staying inside remaining carefree? All those who are sitting are the *purusharthis*[7] who stay in the mire of household. The same thing has to happen inside again. Those who have a lot of arrogance of their *purusharth* [and] knowledge themselves are the hare. The tortoise doesn't have any arrogance of running. He walks at a constant speed. So, will the Vijaymala[8] or the Rudramala[9] go ahead? Whose speed is more with respect to purity?

Everybody: Vijaymala.

Baba: Why will it go ahead? It is because they do not have so much knowledge. They are making *purusharth* slowly, they are walking slowly. And here you have got so much of knowledge. ... (to be continued.)

Part-4

समयः 25:42 - 28:14

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला कि सात रोज धंधा-धोरी याद आया तो सात रोज फिर शुरु करो।

बाबाः हाँ, भट्ठी में जाये और दुनियांदारी याद आती रहे, या दुनियांदारी में चिट्ठी लिखता रहे या दुनियां वालों को फोन करता रहे तो इससे साबित है कि आत्मा गर्भ में पक नहीं रही है। क्या? भूत-प्रेत बन करके चारों तरफ दुनियां में डोल रही है। गर्भ पक नहीं रहा ठीक से। गर्भ में अच्छी तरह पकना चाहिए ना आत्मा को। तो ये 7 दिन की भट्ठी है। उसमें अच्छी तरह से पकने के लिए ये नियम रखा गया है। कोई भट्ठी के बाहर भी न जाये, कदम भी न रखे, फोन भी न करे, रिश्तेदारों से बात करने के लिए कहीं आना जाना बंद। जैसे गर्भ में अंदर ही खाना मिलता है, अंदर ही पीना मिलता है ऐसे ही 7 दिन की भट्ठी में अदंर ही खाना, पीना, भोजन सब कुछ। अगर किसीको शराब पीने की लत लगी हुई है और भट्ठी में पहुँच गया और 6 दिन तक तो अपने को कंट्रोल कर लिया सातवें दिन चला गया शराब पीने लेट्रिन आदि जाने के बहाने, या गुटका खाने या अफीम खाने, अंदर का भोजन नहीं लिया बाहर का ले लिया तो भट्ठी कैन्सिल। दुबारा करनी पड़ेगी।

Time: 25:42 – 28:14

Student: Baba, it has been said in the murli that if you remember business etc. in the seven days [*bhatti*], then start the seven days [*bhatti*] again.

Baba: Yes, if someone goes to do the *bhatti* and remembers the worldly affairs, if he keeps writing letters to the worldly [people], or keeps calling them, then it proves that the soul is not becoming mature in the womb. What? It is wandering everywhere in the world in the form of ghost and spirit. The [foetus] is not becoming mature properly in the womb. The soul should become mature properly in the womb, shouldn't it? So this is a seven days *bhatti*. So, this rule has been made so that [the soul] becomes mature properly in it. No one should go out of the *bhatti*, he should not even step out, he should not even make a phone call; it is

[7] The ones who make spiritual effort.
[8] Rosary of victory.
[9] Rosary of Rudra.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

restricted to go anywhere to speak to the relatives. Just as [a baby] receives food and water inside the womb itself, you should have everything including food and drink inside itself in the seven days *bhatti*. If someone is addicted to alcohol and has come to do the *bhatti*; he controlled himself for six days [but] went to drink alcohol on the seventh day with the excuse of going to toilet etc., if he went to eat *gutka*[10] or opium, if he didn't eat the food prepared inside and ate the outside food, then his *bhatti* will be cancelled. He will have to do it again.

समयः 28:24 - 29:30

जिज्ञासुः बाबा, संसार में अनेकों दरवाजा है तो क्या एक दरवाजा बंद हो जायेगा तो क्या सारे दरवाजे बंद हो जायेंगे? तो क्या बाबा का दरवाजा भी बंद हो जायेगा ?

बाबाः कौनसे हैं अनेक दरवाजे, जिन दरवाजों से मुक्ति जीवनमक्ति में पहुँच जायेंगे? कोई दरवाजे हैं? ऐसे तो कोई दरवाजे नहीं हैं। सब नरक के दरवाजे हैं। नरक के दरवाजे हैं अनेक, और स्वर्ग का दरवाजा है एक। वो एक जन्म की सदगति कहो, स्वर्ग कहो सबको मिलता है।

जिज्ञासुः सुने हैं कि एक दरवाजा बंद हो जायेगा तो सारे दरवाजे बंद हो जायेंगे।

बाबाः सुने, तुम किससे सुने? मुरली में तो बोला नहीं है।

जिज्ञासुः नहीं। मुरली में नहीं बोला है।

बाबाः तो मुरली की बातें बोलो ना, ब्राह्मण बनके बोलो ना।

Time: 28:24 – 29:30
Student: Baba, there are many doors in the world. Will all doors close if one door closes? Will Baba's door also close?
Baba: Which are the many doors through which you will attain liberation (*mukti*) and liberation in life (*jiivanmukti*)? Are there any doors? There aren't any doors like this. All doors lead to hell. The doors to hell are many and the door to heaven is one. Call it the *sadgati* (true liberation) of one birth, call it heaven, everyone gets it.
Student: I have heard that if one door closes, all doors will close.
Baba: You have heard it; from whom did you hear it? It hasn't been said in the murli.
Student: No. It has not been said in the murli.
Baba: So, speak about the topics of the murli, speak becoming a Brahmin.

समयः 29:45 - 30:07

जिज्ञासुः बाबा, गोरखपुर वाले प्रश्नों से पार प्रसन्नचित्त हो गये।

बाबाः प्रसन्नचित्त हो गये? पाना था सो पा लिया? अब चुप। पाना था सो पा लिया? पक्का-2 निश्चय बुद्धि हो गये?

जिज्ञासु: जी।

Time: 29:45 – 30:06
Student: Baba, the residents of Gorakhpur have become joyful having gone beyond questions.

[10] A mixture of some intoxicating stuff

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Have you become joyful? Did you achieve what you wanted? Now you are quiet. Did you achieve what you wanted? Did you become the one with a firm faithful intellect?
Student: Yes.

समयः 30:20 - 30:20

जिज्ञासुः बाबा के साथ अकेले चलो, अब मैदान में तो चलना ही है।...

बाबाः हाँ, दरवाजा तो एक ही है।

Time: 29:45 – 30:06
Student: Walk alone with Baba; we indeed have to come on the field now…
Baba: Yes, there is indeed only one door. ☺

समयः 30:26 - 33:34

जिज्ञासुः बाबा जब तक पढ़ाई पूरी नहीं होगी तब तक ज्ञान नहीं होगा।

बाबाः हाँ, और पढ़ाई तो अंत तक चलती रहेगी।

जिज्ञासुः तब अंत तक ज्ञान होगा।

बाबाः माना सन् 36 में तुम्हारा किनारा लगेगा अब।

जिज्ञासुः क्या करें बाबा। मुरलियाँ जितना आप चलाये हैं उतने नहीं सब सुन पाये तो प्रश्न एक से एक आप से करते गये और उत्तर फिर मिल रहे हैं। ...मुरली में आप कह चुके हैं सब पहले ही, सब बता चुके हैं।

बाबाः ज्ञान तो ऐसे है जैसे सागर। पोथी पढ़-2 जग भया पण्डित भया न कोय और एक की पहचान है वो एक पहचान पक्की हो गई, निश्चयबुद्धि हो गये तो आगे कोई पढ़ाई पढ़ने की दरकार नहीं। पल्ला पकड़ लिया एक का। जैसे चलाये वैसे चलना है।

जिज्ञासुः अब मुरलीयाँ हम सुनते हैं। अब पढ़ाई पढ़ने कि कोई इच्छा नहीं है। और जितना वार्तालाप आप बताये हैं सब निश्चयबुद्धि होती चली गई। सुनना बाकी है अब। सब मुरलियाँ और सब वार्तालाप कैसेट सुने ।

बाबाः एक होता है सुनना, एक होता है सुनने के बाद दूसरों को सुनाना। उससे अपना पक्का हो जाता है। फिर दूसरा होता है समझना, फिर दूसरे को समझाना। उससे अपनी समझ पक्की हो जाती है। लेकिन ये आखिरी स्टेज नहीं हैं। क्या? सुनना और सुनाना और समझना और समझाना। ये दो मूर्तियों का काम है। ब्रह्मा द्वारा सुनना और सुनाना शंकर द्वारा तीसरे नेत्र से समझना और समझाना लेकिन क्या रह गया? प्रैक्टिकल जीवन में सुन लिया लेकिन समझ लिया और धारण नहीं किया तो सारा ज्ञान रावण का ज्ञान हो जाता है। इसलिए मुरली में ये भी बोल दिया राम ही अंत में क्या बन जाता है? रावण बन जाता है। मैं सबसे जास्ती पतित में प्रवेश करता हूँ। उसको ही आकर के सबसे जास्ती क्या बनाता हूँ? सबसे जास्ती पावन बनाता हूँ। तो तीसरी सीढ़ी वो तीसरी मूर्ति की है। इसलिए ब्रह्मा सो विष्णु बनना ही श्रेष्ठ है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 30:26 – 33:34
Student: Baba, until the studies are completed, one will not have knowledge.
Baba: Yes, and the studies will go on till the end.
Student: Then, we will take knowledge in the end.
Baba: That means you will reach the shore (of the ocean of the poison of vices) in 2036. ☺
Student: Baba, what to do? ☺ We have not been able to listen to all the murlis which have been narrated; therefore we asked you questions one after the other and we are receiving the answers to them. ... You have narrated everything in the murlis before itself.
Baba: The knowledge is like an ocean. No one became a pandit (scholar) reading many books in the world and if you have the recognition of the One, if that recognition has become firm, if you became the one with a faithful intellect, then there is no need to study further. You have taken the support of the One. You should live the way He makes you live.
Student: I listen to the murlis, now I have no desire to study. And after all the discussions that I had [with Baba], now I have become the one with a faithful intellect. Now, we have to listen to them, we should listen to the murli and discussion cassettes.
Baba: One thing is to listen [to the knowledge]; [and] the other thing is to narrate [the knowledge] to others after listening to it. By doing this our [knowledge] becomes firm. Then, another thing is to understand [the knowledge] and explain it to others. By doing this our understanding becomes firm. But this is not the final *stage*. What? To listen and narrate, to understand and to explain; this is the task of the two *murtis* (personalities). [The task of] listening and narrating [takes place] through Brahma and [the task of] understanding and explaining with the third eye through Shankar; but what is left? If someone listened to [the knowledge] in the *practical* life, if he understood it [but] did not assimilate it, then the entire knowledge becomes the knowledge of Ravan. For this reason it has also been said in the murli: What does Ram himself become in the end? He becomes Ravan. I enter the most lustful one. What do I make him into after coming? I make him the purest. So the third ladder is of the third *murti*. That is why to become Vishnu from Brahma is the best. ... (to be continued.)

Part-5

समयः 33:42 - 36:45

जिज्ञासुः बाबा, सत्य ही परमात्मा है, एक परमात्मा ही सत्य है।

बाबाः , सत्य ही शिव है। शिव ही परमात्मा है, परमपिता है। हाँ, ठीक है। और? सौ पर्सेंट सत्य है तो भगवान है, परमात्मा है। थोड़ा भी असत्य है तो आत्मा है या परमात्मा है? तो आत्मा है, परमात्मा नहीं हो सकता। द्वापर के आदि में शास्त्रों में फिर भी सत्य था। लेकिन जो भी शास्त्र द्वापर के आदि में लिखे गये, बनाये गये उनमें सौ पर्सेंट सत्य नहीं था। इसलिए वो विष बढ़ता चला गया। जैसे घड़े में दूध भरा हुआ हो और एक बूँद साँप का विष उसमें डाल दिया जाये तो धीरे-2 क्या होता रहेगा? सब जहर बन जायेगा। ऐसे ही द्वापर के आदि में शास्त्रों में बहुत कुछ सत्य था, जैसे कि दूध ही था। परंतु परमात्मा बाप का सच्चा परिचय नहीं था। परमात्मा बाप के बारे में सारा गड़बड़ हो गया। वेदों में एक रिचा भी आई

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

है "कि हे भगवान हम तुम्हें पहले सर्वव्यापी नहीं मानते थे, अभी सर्वव्यापी मानते हैं। विदेशी विद्वानों ने लिखा है कीथ ने, कीरो ने पहले गीता का भगवान निराकार था। गीता निराकारवादी रचना थी। बाद में कृष्ण उपासकों ने उसमें कृष्ण का नाम डाल दिया। भगवान को साकार बनाय दिया। जिस समय महाभारत लिखा गया है... महाभारत का एक अंश गीता भी है। उसमें कृष्ण का नाम भी घुसेड़ दिया गया उसी समय। क्योंकि गुरु एक होता है और चेला अनेक प्रकार की बुद्धि के होते हैं। कोई चेले ने शरारत कर दी।

Time: 33:42 – 36:45
Student: Baba, truth itself is the Supreme Soul [and] the one Supreme Soul Himself is truth.
Baba: Truth itself is Shiva; Shiva Himself is the Supreme Soul, the Supreme Father. Yes, it is right. Anything else? If it is 100% true, He is God, He is the Supreme Soul; if it is false even to the slightest extent, then is it a soul or the Supreme Soul? It is a soul; it cannot be the Supreme Soul. There was indeed truth in the scriptures in the beginning of the Copper Age. But, all the scriptures which were written in the beginning of the Copper Age didn't have 100% truth in them. That is why that poison kept increasing. Just like, if a drop of snake's venom is put in a pot full of milk, what will keep happening gradually? The entire [milk] will turn into poison. Similarly, there was truth to a great extent in the scriptures in the beginning of the Copper Age, it is as if it was just like milk. But there wasn't the true recognition of the Supreme Soul Father. There was complete confusion about the Supreme Soul Father. A verse has also come in the Vedas: "Oh God, we didn't consider You to be omnipresent earlier, now we consider You to be omnipresent". The foreign scholars [like] Keith [and] Kiro have written: Earlier, God of the Gita was incorporeal. Gita was the creation supporting the existence of the incorporeal one. Later, the devotees of Krishna inserted the name of Krishna in it. They made God corporeal. The time when the Mahabharata was written - The Gita is also a part of the Mahabharata - At the same time the name of Krishna also was inserted in it. It is because the guru is one and the disciples are of many types of intellects. Some disciple did [this] mischief.

समयः 36:47 - 40:57
जिज्ञासुः बाबा, वासुदेव (ने) कृष्ण को सूप में ले जाके यमुना पार करायी।
बाबाः हाँ, सूप माने टोकरी। टोकरी कैसे स्वभाव की? "सार-2 को गहरहे थोथा देय उड़ाय"। टोकरी कैसी थी? सूप सुभाय। सूप क्या करता है? क्या करता है? सार-सार को अपने पास रखता है, और थोथा उड़ाय देता है। तो राम वाली आत्मा ही वो टोकरी है जो सार-सार को ग्रहण करती है... दुनियां में बोलने वाले तो बहुत हैं, शास्त्र सुनाने वाले बहुत हैं, उनकी बातों को नहीं कान पे धरती। संगी-साथी भी बहुत हैं बरगलाने वाले। सुनो सबकी और करो मन की। तो वो मन रुपी आत्मा सूप सुभाय है। बुद्धि रुपी ऐसी टोकरी है जिसमें कृष्ण की आत्मा विराजमान है। और विषय वैतरणी नदी जो यमुना है, काली नदी उस काली नदी को क्रास कर रही है, पार कर रही है। कृष्ण बच्चा पार जायेगा, या डूब जायेगा? पार जायेगा। नाम रख दिया वसुदेव। वसु माने धन-संपत्ति, देव माना देने वाला। कृष्ण सारी दुनियां का पहला पत्ता है ना। उस पहले पत्ते को बुद्धि रुपी गर्भ में पहले धारण करता है। फिर पेट से बाद में जन्म

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

मिलता है। वो पत्ता पार जायेगा। वसुदेव भी पार जायेगा, कृष्ण भी पार जायेगा। वसुदेव का पुत्र कहा जाता है वासुदेव। जैसे ब्रह्मा का पुत्र ब्राह्मण, विष्णु का पुत्र वैष्णव, एक मात्रा बढ़ जाती है पुत्र के अर्थ में। तो वसुदेव हुआ राम वाली आत्मा जिसमें निराकार प्रवेश है। धन-संपत्ति देने वाला। वसु माने धन-संपत्ति, देव माने देने वाला। उसकी बुद्धि रुपी टोकरी में कृष्ण वाली आत्मा प्रवेश है अर्ध चन्द्र के रुप में। वो ही वो ही कथा कहानियां अनेक रुपों से दिखाय दी है। ये कथा कहानियां शास्त्रों के रुप में बाद में बनी है। पहले चित्रकारों ने चित्रकारी की है गुफाओं में पहाड़ काट-2 करके। बाद में शास्त्र बने चित्रों को देख करके।

Time: 36:47 – 10.57
Student: Baba, Vasudev took Krishna across the [river] Yamuna in a winnowed basket (*suup*).
Baba: Yes, *suup* means a basket. Of what nature was the basket? "Keeping the essence with itself it throws away the waste", how was the basket? It had the nature of a *suup*. What does a *suup* do? What does it do? It keeps the essence with itself and throws away the waste. So the soul of Ram himself is the basket that grasps the essence; there are many to speak in the world, there are many who narrate the scriptures. He doesn't listen to their words. There are also many companions who mislead. Listen to all but act as per your own wish. So that mind like soul has the nature of a *suup*. It is such basket like intellect in which the soul of Krishna is seated. And Yamuna, which is the river of the poison of vices, the black river, he is crossing that black river, he is going across it. Will the child Krishna go across or will he drown? He will go across. He is named Vasudev. '*Vasu'* means wealth and property, '*dev'* means the one who gives. Krishna is the first leaf of the entire world, isn't he? He carries that first leaf in the womb like intellect first. Later, he (Krishna) is born through the womb. That leaf will go across. Vasudev as well as Krishna will go across. Vasudev's son is called Vaasudev. Just as Brahma's son is Brahman, Vishnu's son is Vaishnav; one syllable increases in the meaning of son. Therefore, Vasudev is the soul of Ram in whom the incorporeal One has entered. He is the one who gives wealth and property. '*Vasu'* means wealth and property, '*dev'* means the one who gives. The soul of Krishna is in his basket like intellect in the form of the crescent moon. They have shown the same stories in different ways. These stories have been made in the form of scriptures later on. First, the artists drew pictures in the caves, by carving the mountains. Later, the scriptures were made after seeing the pictures.

समयः 41:19 - 43:55
जिज्ञासुः बाबा, धर्मराज जानी जानीजाननहार होंगे?
बाबाः धर्म का राजा कौन है? धर्मराज माना धर्म का राजा। ब्रह्मा की सोल। वो धर्म का राजा है, या भगवान का रुप है? क्या है? धर्म का राजा है। धर्म का राजा अधर्म करने वाले को क्या देता है? दण्ड देता है। उसके ऊपर भी कोई गुरु बैठा हुआ है। समझ में आई बात?
जिज्ञासुः ... कैसे पता चलता है कि इसने ये ऐसा किया?
बाबा: अरे, कोई जज होता है सुप्रीम कोर्ट का तो अकेला होता है, या उसके ढेर के ढेर सहयोगी होते हैं? सुप्रीम कोर्ट में ही नहीं, हाई कोर्ट के भी जितने भी जज होते हैं, जिला कोर्ट के भी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जितने जज होते हैं वो सब किसके अंडर में हैं? एक ऐसा कौन है जिसके अंडर में है? वो चाहे तो ऑल इंडिया के जज में से कोई जज को आदेश दे सकता है, या दिलवा सकता है। लेकिन धर्मराज के ऊपर भी कौन होता है? सुप्रीम कोर्ट के ऊपर कौन होता है? राष्ट्रपति, प्रेसिडेंट। शिवबाबा है प्रेसिडेंट। सुप्रीम कोर्ट का जज, चीफ जज कोई को फाँसी की सजा सुनाता है और राष्ट्रपति उसको माफ कर देता है, छुड़ाय देता है। समझ में आ गया?

Time: 41:19 – 43:55

Student: Baba, will Dharmaraj (the chief justice) be *jaanijaananhaar* (the one who knows the inner thoughts of everyone)?

Baba: Who is the king of religion? Dharmaraj means the king of religion, the *soul* of Brahma. Is he the king of religion or the form of God? What is he? He is the king of religion. What does the king of religion do to the one who acts irreligiously? He punishes him. There is a guru sitting above him too. Did you understand?

Student: ...how does he come to know that this particular person did this?

Baba: *Arey*! Is the judge of the Supreme Court alone or does he have many associates? Not only in the Supreme Court, all the judges of the High Court and the District Court are *under* whom? Who is that 'one' *under* whom they are? If he wishes he can give orders or assign [someone] to give orders to any of the judges in all India. Who is even above Dharmaraj? Who is above the Supreme Court? The *President*. Shivbaba is the *President*. The *judge*, the *Chief judge* of the Supreme Court announces someone to be hanged to death [but] the President pardons him, releases him. Did you understand? ... (to be continued.)

Part-6

समयः 43:58 - 45:49

जिज्ञासुः बाबा, ये महाभारत में जो संजय आया है, वो संजय कौन है?

बाबाः सं माने संपूर्ण और जय माना जय। जिसकी संपूर्ण जीत हुई पड़ी है। सब कुछ देख सकता है।

जिज्ञासुः संपूर्ण तो एक शिवबाबा ही देखता है।

बाबाः तो बस, वो ही संजय है।

जिज्ञासुः यही एक शंका थी बाबा।

बाबाः वो ही अंधों की लाठी है। मुरली में संजय नाम किसका रखा है? अरे, मुरली में कही संजय नाम सुना? कोई का नाम रखा है बाबा ने संजय? अरे।

दूसरा जिज्ञासुः जगदीश भाई ...

बाबाः जगदीश भाई का नाम रखा है संजय। बाबा बेहद की भाषा बोलता है या हद की भाषा? (किसीने कहा-बेहद।) तो हद के जगदीश की बात है, या बेहद के जगत ईश की बात है? (किसीने कहा-बेहद का।) तो वो ही बेहद का जगदीश कहो, शिवबाबा कहो वो अंधों की लाठी है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 43:58 – 45:49
Student: Baba, who is this Sanjay, who is shown in the Mahabharata?
Baba: '*Sam'* means *sampuurna* (complete) and '*jay'* means victory; the one who has gained complete victory. He can see everything.
Student: It is only the one Shivbaba who sees everything.
Baba: That's it. He alone is Sanjay.
Student: Baba, this was the only doubt.
Baba: He alone is the stick of the blind. Who is named Sanjay in the murli? *Arey*, have you heard the name Sanjay anywhere in the murli? Has Baba named anyone Sanjay? *Arey*.
Another Student: Jagdish bhai …
Baba: Jagdish bhai has been named Sanjay. Does Baba speak the unlimited language or the limited language? (Someone said: Unlimited.) So, is it about the limited Jagdish or the unlimited *Jagat Iish* (Controller of the world)? (Someone said: The unlimited.) So, call him the unlimited Jagdish [or] Shivbaba, He is the stick of the blind.

समयः 45:52 - 49:08
जिज्ञासुः बाबा, मुरली में रमेश भाई का भी नाम आया है।
बाबाः वो रमेश हद का रमेश भी है, यादवों का मुखिया है या नहीं है? अरे, ब्राह्मणों की दुनियां में यादव सम्प्रदाय और उनका मुखिया कौन है? बड़े धनाड्य होते थे। आज की दुनियां में, बाहर की दुनियां में सबसे जास्ती धन-संपत्ति किसके पास है? रुस और अमेरिका हैं यादव। उनके पास सबसे जास्ती धन-संपत्ति है। बड़े-2 शराबी, कबाबी महल-माडियों, अटारियों वाले है। जितना उनकी मुट्ठी में महल-माडियाँ, अटारियाँ हैं उतना और किसीकी मुट्ठी में हैं? तो ब्राह्मणों की दुनियां में ऐसा कौन है? जो बड़े-2 कंक्रीट के अंडरग्राउण्ड मकान बनाये हुये हैं सारे उसकी मुट्ठी में हैं। कौन है?
जिज्ञासुः वर्ल्ड रिन्युअल ट्रस्ट जो बनाया है ।
दूसरा जिज्ञासु: रमेश।
बाबाः रमेश। उसका अर्थ क्या हुआ? रमा ईश, रमा का जो ईश्वर है, पति है। रमा किसका नाम है? पार्वती का नाम है रमा। वो है हद का रमेश। कहाँ का रहने वाला है? बम्बई का। नाम बम्बई क्यों रखा गया? हर-2 बम-2 की नगरी है। किसकी नगरी है? माया की नगरी है। तो बेहद का रमेश भी है ब्राह्मणों की दुनियां में। यादवों का हेड कौन कहा जाता है? अरे, मुरली में यादवों का हेड किसको बताया है? शंकर को। तो बेहद का रमेश हो गया ना। उसकी पत्नी का नाम क्या है? (किसीने कहा-उषा।) पहले सूरज निकलता है, या उषा निकलती है?
जिज्ञासुः पहले उषा निकलती है।
बाबाः हाँ, पहले रमेश भाई प्रत्यक्ष होगा बेहद का, या पहले उषा प्रत्यक्ष होगी? पहले लाल-2 उषा पहले प्रत्यक्ष होने वाली है। बाद में रुद्रमाला के मणके और रुद्रमाला का हेड उस विजयमाला मे पिरोया जायेगा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 45:52– 49:08
Student: Baba, Ramesh bhai's name has also been mentioned in the murli.
Baba: That Ramesh is the limited Ramesh too; is he the head of the Yadavas or not? *Arey*, who are the ones belonging to the community of the Yadavas and their head in the Brahmin world? They were very rich. Who has the maximum wealth and property in today's outside world? Russia and America are the Yadavas. They have the maximum wealth and property. They are the ones who drink alcohol and eat meat; they have big palaces, buildings and mansions. Does anyone else have as many palaces, buildings and mansions as they have in their clutches? So, who is such in the Brahmin world? All the big *underground, concrete* buildings that are made are in his clutches. Who is he?
Student: The one who has made the World Renewal Trust.
Another Student: Ramesh.
Baba: Ramesh. What is its meaning? *Rama iish*; the one who is the God, the husband of Rama. Whose name is Rama? Parvati's name is Rama. He is the limited Ramesh. Where is he a resident of? Of Bombay. Why is the name Bombay given? It is the city of *Har – Har, Bam – Bam* (Shankar). Whose city is it? It is the city of Maya. So, there is also the unlimited Ramesh in the Brahmin world. Who is called the *head* of the Yadavas? *Arey*, who is said to be the *head* of the Yadavas in the murlis? Shankar. So, he became the unlimited Ramesh, didn't he? What is his wife's name? (Someone said: Usha.) Does the Sun rise first or does *usha* (sunrays) come first?
Student: It is *usha* that comes first.
Baba: Yes, will the unlimited Ramesh bhai be revealed first or will Usha be revealed first? First, the red *usha* is going to be revealed. Later, the beads of the *Rudramala* (rosary of Rudra) and the *head* of the *Rudramala* will be threaded in that *Vijaymala* (rosary of victory).

समयः 49:21 - 53:47

जिज्ञासुः बाबा, रामायण में कैकयी शब्द का अर्थ क्या है?

बाबाः कई-2। तीन रानियाँ है। जो सृष्टि रुपी झाड़ है उसके तीन हिस्से हैं। एक हिस्सा है जड़ से ले करके और चोटी तक, सीधा जाता है। कहीं मोड नहीं लेता। जिनके लिए मुरली में बोला है- तुम हो देवी-देवता सनातन धर्म के पक्के। न इधर मुडते हो, और न इधर मुडते हो। कहीं कन्वर्ट नहीं होते। अरे, इस दुनियां में सनातन धर्म जिंदा है या मर गया? (कईयों ने कहा- जिन्दा है।) है न कहीं? थोड़ा-सा तो बचा है ना। तो तुम हो पक्के। और बाकी दो तरह की डालियां और हैं। जिनमें कोई दाई ओर मुड जाती है। दाया हाथ माने सच्चाई का रास्ता, पवित्रता का रास्ता, ब्रह्मचर्य की ओर मुड जाती है। जैसे बौद्ध धर्म, सन्यास धर्म, सिक्ख धर्म ये पवित्रता को पोषण करने वाले धर्म हैं। दाई ओर के धर्म हैं। पवित्रता ही सच्चाई है। दुनियां के सारे काम सच्चाई के आधार पर होते हैं। प्यूरिटी के आधार पर होते हैं। लेकिन मुड तो गई। झूठी पवित्रता की तरफ मुडी, या सच्ची पवित्रता की तरफ? झूठी पवित्रता, सन्यासियों वाली पवित्रता। और तीसरे प्रकार की डालियां और भी हैं जो ब्रह्मचर्य को महत्व नहीं देती। पवित्रता को महत्व नहीं देती। इस्लाम धर्म, क्रिश्चियन धर्म, मुस्लिम धर्म वगैरा-2। ये कई-2 खसम करती हैं और करवाती हैं। तो उनका नाम क्या पड़ गया शास्त्रों में? कई-2 (कैकयी)।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

एक नहीं बनाती है अपने जीवन में कई-2 बनाती हैं। तो थर्ड क्लास रानी है कौन? कई-2 (कैकयी)। सेकेण्ड क्लास रानी कौन हुई? सुमित्रा। सुंदर मन वाली है। और फर्स्ट क्लास कौन है? (कईयों ने कहा-कौशल्या।) जो कर्म करने में कुशल है। 84 जन्मों में से ज्यादा जन्म तक पवित्र रहती है। उनका तो विरुध है। तुम सब पार्वतियाँ हो। कैसी पार्वतियाँ? "जन्म-जन्म लगी रगर हमारी वरुँ शंभु न तो रहूँ कुवाँरी"। एक ही आत्मा के साथ मेरा वरण हो। नहीं तो कुवाँरी रहना पसंद है। जात-2 का मूत न पीना पड़े। तो श्रेष्ठ भावना है या भ्रष्ठ भावना है? श्रेष्ठ भावना है। कौशल्या; कैसे कर्म करना? योग कैसा हो? योग: कर्मसु कौशलम्। योग वो है जो कर्मेन्द्रियों के कर्मों में कुशलता सिखाता है। ऐसी कुशलता को प्राप्त करने वाली का नाम क्या पड़ा? कौशल्या।

Time: 49:21– 53:47
Student: Baba, what is the meaning of the word 'Kaikayi' [that has been mentioned] in the Ramayana?
Baba: Many (*kai-kai*). ☺ There are three queens. There are three parts of the world tree. One part is from the roots to the top [of the tree]. It goes straight. It doesn't take a turn anywhere. For which it is said in the murli: "You firmly belong to the Ancient Deity Religion"; you neither turn here nor do you turn there. You don't *convert* anywhere. *Arey*, does the Ancient Religion exist or did it perish in the world? It is somewhere, isn't it? It is left to some extent at least, isn't it? So, you are firm. There are two more types of branches. Between them one turns to the right side. What does the right hand mean? The path of truth, purity. It turns towards celibacy. Just like the Buddhist religion, the Sanyas religion, the Sikh religion; they are the religions which nourish purity. They are the religions of the right side. Purity itself is truth. All the tasks of the world are done on the basis of truth, on the basis of *purity*. But they did take a turn. Did it turn towards false purity or true purity? [It turned towards] false purity, the purity of the Sanyasis. And there are also the third type of branches, which don't give importance to celibacy; they don't give importance to purity. [For e.g.:] the Islam, the Christian religion, the Muslim religion, etc. They marry many times and make others marry [many times]. So, what name did they get in the scriptures? *Kai-kai* (Kaikayi). She doesn't make one person her husband in her life; she makes many people her husband. So, who is the *third class* queen? *Kai-kai* (Kaikayi). Who is the *second class* queen? Sumitra. She is the one with a beautiful mind (*sundar man*). And who is the *first class* [queen]? (Many said: Kaushalya.) The one who is skilled in performing actions. She remains pure for many births in the 84 births. It is her vow. 'All of you are Parvatis'. What kind of Parvatis? "Birth after birth this is my vow that either I will marry Shambhu[11] or remain unmarried". Let me be married just to one soul. Or else I prefer to remain a virgin. Let me not become adulterous with many. So, is it an elevated feeling or a corrupt feeling? It is an elevated feeling. Kaushalya; what kind of actions should you perform? How should the yoga be? *Yogah karmasu kaushalam* [i.e.] Yoga is that which teaches you to be skilful in the actions [performed] through the *karmendriya*[12]. What was the one who achieved such skilfulness named? Kaushalya. ... (to be continued.)

[11] Name of Shankar
[12] Parts of the body used to perform actions.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Part-7

समयः 53.58 - 55:54

जिज्ञासुः बाबा, कठोपनिषद् में बताया है नचिकेता जब धर्मराज के पास जाकर के तीन दिन तक ऐसे ही पड़ा रहा, अन्न, जल कुछ नहीं ग्रहण किया... दुनियां कहती है मृत्यु कैसा होती है? मृत्यु क्या है? नचिकेता ने पूछा हैं। तो नचिकेता ने अग्नि को बताया।

बाबाः अग्नि कौन है?

जिज्ञासु: वो ही तो बाबा पूछ रहे हैं। हम लोगों को जानकारी होती तो क्यों पूछते ।

बाबा: अरे, अष्टदेवों का तो नाम सुन लिया ना। अष्टदेवों में जल, वायु, अग्नि का नाम आता है या नहीं आता है? (जिज्ञासु: आता है।) तो अग्नि रोशनी का नाम है। ऐसी रोशनी है जो सारी बदबू को खा जाती है। परंतु खुद उसमें लिंपायमान नहीं होती। परंतु ये जड़त्वमई बुद्धि वाली मूर्तियाँ है, या चैतन्य मूर्तियाँ है? जल, वायु, अग्नि... (जिज्ञासु: ये जड़त्व है।) जड़त्वमई देवता हैं। उनमें चैतन्य रहने वाला एक ही है ज्ञान सूर्य। (जिज्ञासु: वो तो सबको प्रकाश देता है, चाहे गन्दा हो, चाहे गन्दी हो।) हाँ जी।

Time: 53.58 – 55:54

Student: Baba, it is written in the Kathopnishada[13] that when Nachiketa[14] went to Dharamaraj[15] and just kept lying there for three days without having food or water... 'The world asks: How is death? What is death?' Nachiketa asked this. [Then,] Nachiketa told this to the fire deity.

Baba: Who is fire?

Student: Baba that is what I am asking. Had we known it, why would we have asked?

Baba: *Arey*, you have certainly heard of the names of the eight deities, haven't you? Do the names of *jal*, *vaayu*, *agni* (Hindu deities personifying water, air and fire) come in the eight deities or not? (Student: It comes.) So, fire is the name of light. It is such light which destroys all the bad odour. But it itself doesn't become attached to it? But do these *murtis* have an inert intellect or are they living *murtis*? *Jal*, *vaayu*, *agni*... (Student: These are inert.) They are inert deities. Among them there is only one who is living. [It is] the Sun of knowledge. (Student: He gives light to everyone, whether he or she is dirty.) Yes.

समयः 56:02 - 59:03

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में ऐसा पाईंट आया है - गुरु जैसा कहते हैं वैसा करना चाहिए, गुरु जैसा करते हैं वैसा नहीं करना चाहिए।

बाबाः गुरु जैसा आर्डर करे वो काम करना है। जो मुरली में भी बोला है - तुम बच्चों को शंकर को फॉलो नहीं करना है। किसको फॉलो करना है? ब्रह्मा को फॉलो करना है। अब दोनों ही गुरु है। गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु, गुरुर्देवोमहेश्वरा...। हम जानते हैं विष्णु कोई अलग से गुरु तो

[13] An Indian scripture.
[14] A famous son of a sage.
[15] Name of the god who judges and punishes the dead.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

होता ही नहीं है। उन दोनों का मेल ही विष्णु बनता है। तो रह गये दो। ब्रह्मा को कर्मों में फॉलो करना है। जैसे कर्म ब्रह्मा ने किये हैं वैसे ही कर्म करना है। लेकिन ब्रह्मा भी अगर कहे तो ब्रह्मा की बात नहीं माननी है। जैसे कि मुरली में बोला... बच्चे बाबा के पास आते थे, अपनी कथा-कहानी परिवार की बताते थे - बहुत दबाव पड़ रहा है, बहुत परिवार वाले दुःखी है, शादी करनी पड़ेगी। तो बाबा कहते थे अच्छा बच्चे शादी कर लो, पवित्र रह करके दिखाना। अगर शादी करने के बाद पवित्र रह करके ही कोई दिखाय सकता हो तो फिर मुरली में शिवबाबा ने क्यों बोला शादी बरबादी? इसका मतलब ब्रह्मा के डायरेक्शन फॉलो करने योग्य नहीं हैं। किसके डायरेक्शन पर चलना है? दो बाबायें हैं। एक छोटा बाबा, और एक बड़ा बाबा। कौन है बड़ा बाबा? जिसे कहते हैं शिवबाबा। जिसका नाम शिव के साथ मिलाया गया है। ब्रह्मा का नाम शिव के साथ नहीं मिलाया गया , विष्णु का भी नहीं मिलाते। एक ही आत्मा है जो बाप समान स्टेज को धारण कर पाती है। शिव शंकर भोलेनाथ कहा जाता है। तो उसके लिए बोला है। ब्रह्मा को फॉलो करने की बात है और शिवबाबा के डायरेक्शन पर चलने की बात है। उल्टा अगर कोई करते हैं तो उल्टी प्राप्ति हो जावेगी।

Time: 56:02 – 59:03
Student: There is a *point* in the murli: "You should do what the guru says; you should not do what the guru does".
Baba: You should do what the guru orders; it is also said in the murli: "You children should not *follow* Shankar". Whom should you *follow*? You should *follow* Brahma. Now, both of them are gurus. '*Gurur Brahma, Gurur Vishnu, Gurur devo Maheshwarah...*' (Brahma guru, Vishnu guru [and] Shankar guru...). We know that Vishnu is not a separate guru at all. The combination of those two (Brahma and Shankar) itself becomes Vishnu. Therefore, two remain. Brahma should be followed in actions. You should perform actions just the way Brahma performed them. But even if Brahma says, you should not listen to Brahma. Just like it is said in the murli... Children used to go to Baba; they used to narrate their family story: We are being pressurized a lot, the family members are very sorrowful, I will have to marry. So, Baba used to say: "Alright child, get married. Remain pure and prove yourself". If at all someone could remain pure and prove himself after getting married, why did Shivbaba say this in the murli that marriage leads to ruination? This means Brahma's directions are not worth following. Whose *direction* should you follow? There are two Babas. One is the junior Baba and the other is the senior Baba. Who is the senior Baba? The one who is called Shivbaba. The one whose name is combined with that of Shiva. Brahma's name is not combined with Shiva, Vishnu's [name] is also not combined either. There is only one soul who is able to achieve a *stage* equal to the Father. It is said Shiva Shankar Bholenath. So, it is said for him. It is about following Brahma and following the directions of Shivbaba. If someone does the opposite thing, he will obtain wrong attainments.

समयः 59:04 - 01:01:08
जिज्ञासुः बाबा, 36 में ब्रह्मा बाबा के पैसे में शो किया गया 18 लाख, और 18 लाख पैसे को शो नहीं किया गया।
बाबाः ये किसने सुनाया तुमको?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः 36 में 36 लाख रूपये की स्थापना हुई सिंध हैदराबाद में।

बाबाः 36 लाख की स्थापना हुई? ये किसने सुनाया? ये गलत सुना। बाबा की मुरली में तो कहीं ऐसा आया नहीं। एक बुद्धि से सोचने की बात है नई दुनियां की शुरुआत होगी तो पहले जन्म में कितनी आबादी होगी? 9 लाख। आदि सो अंत। तो हैदराबाद से शुरुआत हुई है सत्संग की। तो कितनी आबादी रही होगी ब्राह्मणों की दुनियां की? 9 लाख को संदेश मिला। जिन 9 लाख को संदेश मिला वो ही ब्राह्मण थे पक्के। बाकी दूसरे जन्म में, तीसरे जन्म में सतयुग में जो भी आत्मायें ऊपर से नीचे उतरती गईं वो सब कच्ची कन्वर्ट होने वाली आत्मायें जो द्वापर युग में आ करके कन्वर्ट हो जाती हैं दूसरे धर्मों में। तो 36 लाख आबादी कहाँ से उठाली?

Time: 59:04 – 01:01:08
Student: Baba, in 1936 18 lakh rupees of Brahma Baba were shown and [the other] 18 lakh rupees weren't shown.
Baba: Who told you this?
Student: In 1936, 36 lakh rupees were invested in Sindh Hyderabad.
Baba: 36 lakh were set up? Who told this? What you have heard is wrong. This hasn't come anywhere in Baba's murli. It is something to understand through the intellect that when the new world is established, how much will the population be in the first birth? 9 lakh. As is the beginning, so shall be the end. So, the *satsang* started from [Sindh] Hyderabad. So, how much would have been the population of the Brahmin world? 9 lakh [souls] got the message. Only those 9 lakh [souls] who got the message were the firm Brahmins. Rest all the souls who kept coming down from above in the second, third birth of the Golden Age are weak souls who convert to other religions from the Copper Age. So, how did you calculate it to be population of 36 lakh?

समयः 01:01:18 - 01:02:02

दूसरा जिज्ञासुः इनका प्रश्न करने का ये मतलब था कि ब्रह्माबाबा ने आदि में 1936 में 18 लाख से अपना शुरुआत किया ...

बाबाः क्या 18 लाख से शुरु किया?

दूसरा जिज्ञासुः 18 लाख रुपया जो है अपने भागीदार से लिया।

बाबाः किसने बोला? भागीदार तो खुद ही गरीब था। उनकी दुकान में नौकर था। वो कहाँ से पैसा देगा? ये सब झूठी बातें है। कहाँ से उठाली? (जिज्ञासु ने कहा - लिखा हुआ है उनकी किताब में।) किसमें लिखा हुआ है?

दूसरा जिज्ञासुः जीवन को पलटाने वाली किताब में।

बाबाः ये किसने लिखी किताब?

दूसरा जिज्ञासुः जगदीश भाई ने लिखी।

बाबाः जगदीश भाई ने लिखा। हो गये जगदीश भाई के पिट्ठू।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

दूसरा जिज्ञासुः फिर जगदीश ने कहा कि हमने तो लिखा नहीं, जो दादियों ने बताया वो हमने लिखा ।

बाबाः हाँ, तो दादियों ने जो लिखा... दादी मनुष्य है या भगवान है? आदत पड़ी हुई है गुरुओं के आधार पर चलने की।

Time: 01:01:18 – 01:02:02
Another Student: His question meant that Brahma Baba started with 18 lakh in the beginning, in 1936.
Baba: What did he start with 18 lakh?
Student: He took 18 lakh rupees from his partner.
Baba: Who said [this]? The partner himself was poor. He was a worker in his (Brahma Baba's) shop. How will he give the money? All these are false topics. From where did you pick them? (Student: It is written in their book.) Where is it written?
Student: In a book [named] '*Jiivan ko paltaane waali kitaab*' (Book which changes the life).
Baba: Who wrote this book?
Student: Jagdish bhai wrote it.
Baba: (Ironically :) Jagdish bhai wrote it. You became Jagdish bhai's follower. ☺
Student: Then, Jagdish said: I have not written this; I wrote whatever the *dadis* said.
Baba: Yes, so whatever the *dadis* wrote… Is *dadi* a human being or God? You have become habituated to follow [the knowledge] with the support of the gurus. … (to be continued.)

Part-8

समयः 01:02: 04 - 01:03:00

जिज्ञासुः भागीदार को हिस्सेदार तो बनाया।

बाबाः भागीदार के पास पैसा था जो 18 लाख ले लिया उनसे? हिस्सेदार किस बात का बनाया? मेहनत का हिस्सेदार बनाया या कि पैसा का हिस्सेदार बनाया?

जिज्ञासुः मेहनत उनका था, पैसा उनका था।

बाबाः मेहनत किसका था?

जिज्ञासुः भागीदार का।

बाबाः हाँ, तो पैसा उसके पास कहाँ से आया, बिचारे के पास? वो तो गरीब था। भगवान गरीब में आता है, या लखपति, करोड़पति में आता है? (किसीने कहा-गरीब।) तो यज्ञ के आदि में किसमें आया भगवान? भागीदार में आया। बोला भी है मुरली में अल्फ को मिला अल्लाह, बे बादशाही सारी भागीदार को दे दी।

Time: 01:02: 04 – 01:03:00
Student: He (Brahma Baba) did make him the partner.
Baba: Did the partner have money that [Brahma Baba] took 18 lakh from him? He made him the partner of what? Did he make him the partner of his effort or of his money?
Student: His (the partner's) was the effort; his (Brahma Baba's) was the money.
Baba: Whose was the effort?
Student: Of the partner.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes, so, from where did the money come to that poor one? He was poor. Does God come in a poor one or in a millionaire, a multimillionaire? So, in whom did God come in the beginning of the *yagya*? He came in the partner. It is also said in the murli: 'Alaf got Allah (God) and the entire Be *badshaahi* (kingship) was given to the partner'[16].

समयः 01:03:15 - 01:04:25

जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा को फॉलो करेंगे तो ब्रह्मा की याद आयेगा ही। ब्रह्मा कि जो गति हुई वो वो ही गति हो जायेगी।

बाबाः माना जिसके आर्डर पर चलेंगे वो याद नहीं आयेगा? अरे, जिसके आर्डर पर चलेंगे वो पहले याद आयेगा, या जिसको फॉलो करेंगे वो पहले याद आयेगा? अभी मौजूद कौन है?

जिज्ञासुः दोनों याद आयेंगे।

बाबाः दानों याद आयेंगे? तो तुम बहुत अच्छी प्राप्ति करोगे। क्योंकि दोनों; मरे हुये को भी याद करते हो। हाँ, ब्रह्मा को फॉलो करो, लेकिन बात मेरी मानो ये भी तो बोला है। मेरी बात मानो तो जिसकी बात मानोगे वो जिंदा है, या मर गया? जिंदा है। तो जिंदा ज्यादा याद आना चाहिए या मरा हुआ ज्यादा याद आना चाहिए? (किसीने कहा-जिन्दा ज्यादा याद आना चाहिए।) इसका मतलब मुर्दों से प्यार है।

जिज्ञासुः कर्मों का फॉलो करना।

बाबाः हाँ, कर्मों में फॉलो करना है।

जिज्ञासुः हाँ, जो उन्होंने किया वो करके दिखाओ।

बाबाः बिल्कुल। हमारे पूर्वजों ने जो काम किये जिससे भारत का नाम बाला हुआ वो ही काम हमको करना है।

Time: 01:03:15 – 01:04:25

Student: Baba, if we *follow* Brahma, he will certainly be remembered. We will meet the same fate which Brahma met with.

Baba: It means, the one whose orders you will follow won't be remembered? *Arey*, will the one whose orders you will follow be remembered first or will the one whom you will *follow* (in actions) be remembered first? Who is present now?

Student: Both will be remembered.

Baba: Both will be remembered? Then you will obtain a very good attainment. It is because you [remember] both; [you remember] even the dead. Yes, *follow* Brahma but listen to **Me**; this has also been said. Listen to Me; so is the one to whom you will listen alive or dead? He is alive. So, should the one who is alive be remembered more or should the one who is dead be remembered more? (Someone said: The one who is alive should be remembered more.) This means you have love for corpses.

Student: We should *follow* him in actions.

Baba: Yes, you should *follow* in actions.

Student: Yes, you should do what he did and prove yourself.

[16] Alaf and Be: Alaf means a vertical line in Urdu language, here it denotes the soul who stands in *purusharth* till the end. Be means a horizontal line, here it denotes the soul who leaves his body in between.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Definitely. Whatever work our ancestors did, by which the name of Bharat became famous, we have to do that very work.

समयः 01:04:33 - 01:07:11

जिज्ञासुः बाबा, भगवान शरीर धारण करते हैं।

बाबाः शरीर धारण करते हैं? शरीर धारण नहीं करते। धारण करना माना धरना। वो शरीर धरते नहीं हैं। शरीर धरने वाले को, देह को धरने वाले को देहधारी कहा जाता है। भगवान देहधारी है? (किसीने कहा-नहीं।) फिर? भगवान तो प्रवेश करता है। (किसीने कुछ कहा।) हाँ, तो जो तन उन्होंने पसंद किया वही तो उनकी इच्छा हुई ना। फिर? (किसीने कुछ कहा।) हाँ। (किसीने कुछ कहा।) जिसमें, तन में प्रवेश करेंगे उसमें मनन चिंतन मंथन वही करेगा? माना शिव मनन चिंतन मंथन करता है? शिव तो असोचता है या सोचता है? (किसीने कहा-असोचता है।) अभोक्ता है, या भोक्ता है?

Time: 01:04:33 – 01:07:11
Student: Baba, God takes on a body.
Baba: Takes on a body? He doesn't take on a body. To take on means to possess. He doesn't possess a body. The one who possess a body is called a bodily being. Is God a bodily being? (Someone said: No.) Then? God does enter. (Someone said something.) Yes, so the body which He chose, that itself became his desire, didn't it? Then? (Someone said something.) Yes. (Someone said something.) Will He Himself think and churn in the one, in the body which He enters? Does it mean that Shiva thinks and churns? Is Shiva *asoctaa* (the one who is beyond thinking) or *soctaa* (the one who thinks)? (Someone said: *Asoctaa*.) Is He *abhoktaa* (the one who does not seek pleasures) or *bhoktaa* (pleasure seeker)?

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, उसके लिए तो बोला शिवबाबा माना शिव मौजूद है उस शरीर में।

बाबाः शिव बिंदी आत्मा का नाम हैं। कोई शरीर का नाम शिव नहीं है। और बाबा शरीरधारी का नाम है। बाबा कहा जाता है ग्रैन्ड फादर को। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) मुरली में क्या परिभाषा बताई है? मुरली में परिभाषा बताई है साकार और निराकार के मेल को बाबा कहा जाता है। जो सदैव साकार है और जो सदैव निराकार...

दूसरा जिज्ञासुः निराकार है तब ही तो बाबा है।

बाबाः नहीं। निराकार को बाबा नहीं (कहते), वो बाप है। जो बिंदु-2 निराकार आत्माओं का बाप है, वो बाप है सिर्फ। उसमें कोई संबंध दूसरा नहीं बनता। वो बाप जिस साकार में प्रवेश करता है, ऐसे साकार में जो सदैव साकार है, सदैव भोक्ता है, उससे बड़ा भोक्ता कोई होता ही नहीं और निराकार से ज्यादा अभोक्ता कोई होता ही नहीं। ये दोनों का मेल है।

Another Student: Baba, for Him, it is said, 'Shivbaba', it means Shiva is present in that body.
Baba: Shiva is the name of the Point soul. Shiva is not the name of the body. And Baba is the name of the bodily being. The *grand father* is called Baba. (Student said something.) What definition has been given in the murli? It has been defined in the murli: "The combination of

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the corporeal one and the incorporeal one is called Baba". The one who is always corporeal and the one who is always incorporeal...
Another Student: He is incorporeal, only then is He Baba.
Baba: No. The incorporeal is not [called] Baba, He is the Father. The one who is the father of the point like incorporeal souls is only the Father. No other relationship is joined with Him. That Father enters in such a corporeal one who is always corporeal, who is forever a pleasure seeker; there is definitely no one who is a greater pleasure seeker than him. And there is definitely no one who is a greater *abhoktaa* than the incorporeal one. This is the combination of both of them.

समयः 01:07:16 - 01:07:35

जिज्ञासुः बाबा, ये ब्राह्मणों में जो टाईटल है, कोई ... है, कोई त्रिपाठी है, कोई पाण्डे है ये किस बात पर आया?

बाबाः 9 ऋषि हुये हैं तो 9 ऋषियों की 9 कुरियाँ हुई हैं। फिर उनके बाल बच्चे होते रहे। तो जातियाँ बदलती रही।

Time: 01:07:16 – 01:07:35
Student: Baba, there are certain titles (surnames) among the Brahmins. Some are ..., some are Tripathi, some are Pandey; this is based on what?
Baba: There have been nine sages. So, there are nine categories of the nine sages. Then, they had children. So, the castes kept changing.

समयः 01:07: 49 - 01:09:22

जिज्ञासुः भागीदार के विषय में उलझ गया।

बाबाः आपको उलझ गया? क्या उलझ गया बताओ। बहुत देर बाद सोच-2 के बोल रहे हैं। हाँ, बताओ।

जिज्ञासुः तनखा आधी जाती थी उसको।

बाबाः वो नौकर था तो नौकर को तनखा नहीं दी जाती है?

जिज्ञासुः पार्टनर, हाफ पार्टनर बनाया गया था।

बाबाः बाद में। 10 वर्ष से रहने वाला, ध्यान में जाती थीं, मम्मा-बाबा को भी ड्रिल कराती थीं। इसका मतलब दो थे। और सन् 36 की बात है। सन् 36 से पहले 10 साल से वो बाबा के साथ मौजूद था दुकान में। जब नौकर था तब नौकर था। जब ब्रह्मा बाबा छोड़ के चले गये सिंध हैदराबाद में, तब क्या था? तब पार्टनर था। नौकर को नौकर कहेंगे और पार्टनर को नौकर कहेंगे? भागीदार ही कहेंगे।

दूसरा जिज्ञासुः इन्हीं को भागीरथी भी कहा गया क्या?

बाबाः ये भागीदार है, तो भागीरथ भी है।

दूसरा जिज्ञासुः ... को भागीरथी भी कहा गया।

बाबाः भागीरथी गंगा को कहा जाता है। ओमशान्ति।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 01:07: 49 – 01:09:22
Student: I am confused about the partner.
Baba: You are confused? Tell [Me] what confusion do you have? You are speaking after thinking for long. Yes, say.
Student: He (the partner) used to get half of the salary.
Baba: He was a worker; isn't a worker given salary?
Student: He was made the partner, the half partner.
Baba: Later on. The one who stayed [together] for 10 years, she used to go into trance, she used to make even Mamma-Baba perform the *drill*. It means, there were two [people]; and it is about the year 1936. Before 1936 he was along with [Brahma] Baba in his shop for 10 years. He was a worker when he was a worker. What was he when Brahma Baba left [everything] and went to Sindh Hyderabad? At that time he was a partner. A worker will be called a worker and will a partner be called a worker? He will be called only a partner.
Another Student: Is he himself called Bhagirathi as well?
Baba: This one is the partner (*bhaagidaar*), so he is Bhagirath (the fortunate chariot) as well.
Another Student: ... is also called Bhagirathi.
Baba: The Ganges is called Bhagirathi. Om Shanti. (Concluded.)

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info